



Mr.yash



Sandhya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119807203

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

डतण्लौ का वर्ग मृग है तथाँदकीलं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लौ औरँदकीलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्लौ मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ँदकीलं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डतण्लौ तथाँदकीलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।